सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 174 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 31 जुलाई, 2026
मूल्य ₹ 3/-

कला में व्यक्ति खुद को उजागर करता है कलाकृति को नहीं।
-रबिन्द्रनाथ टैगोर

अजिंक्य रहाणे ने सभी प्रारूपों से... 7 | बंगाल में जारी है अब भी सियासी... 3 | भाजपा ने लोकआस्था से विश्वासघात... 2

नेपाल में हिंसा बालेन शाह की अग्नि परीक्षा

एलर्ट मोड में भारत, बढ़ाई गयी निगरानी

» सीमा पर भारत सतर्क नेपाल में सांप्रदायिक तनाव के बीच सरकार विपक्ष के निशाने पर

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेपाल को लंबे समय तक दक्षिण एशिया के उन देशों में गिना जाता रहा है जहां सामाजिक तनाव तो रहे लेकिन बड़े पैमाने की सांप्रदायिक हिंसा अपेक्षाकृत कम देखने को मिली। अब वही नेपाल एक ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है जहां तीन मौतों से आगे बढ़कर सवाल उसके सामाजिक संतुलन राजनीतिक नेतृत्व और क्षेत्रीय स्थिरता पर उठने लगे हैं।

सुनसरी से शुरू हुई हिंसा का तत्काल कारण धार्मिक जुलूस के दौरान तेज संगीत को लेकर हुआ विवाद बताया जा रहा है। देखते ही देखते स्थानीय तनाव हिंसक झड़पों आगजनी पुलिस कार्रवाई और कर्फ्यू तक पहुंच गया। इसके बाद मधेश प्रदेश के अन्य जिलों में भी तनाव फैल गया है खबर लिखे जाने तक नेपाल में तनावपूर्ण स्थिति के बीच प्रधानमंत्री बलेन शाह को टीवी पर आना पड़ा है और शांति की अपील करनी पड़ी। हिंसा और तनाव तेजी से नये इलाकों को अपनी गिरफ्त में ले रहे हैं। वहां के हालत देखते हुए भारत ने निकटवर्ती सीमाओं पर चौकसी बड़ा दी है और एसएसबी की गश्त को तेज कर दिया गया है।

पीएम पर लग रहे निष्क्रिय रहने के आरोप

नेपाल के विपक्षी नेताओं ने पीएम बालेन शाह पर पर संकट के समय राष्ट्रीय नेतृत्व देने में विफल रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने आलोचना की है कि प्रधानमंत्री ने सर्वदलीय बैठक नही बुलाई। साथ ही यह मुद्दा भी उठाया गया कि सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टी) के अध्यक्ष रबी लामिछाने की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में न तो प्रधानमंत्री और न ही गृह मंत्री शामिल हुए। आलोचकों ने यह भी कहा है कि शाह ने राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को बिगड़ती सुरक्षा स्थिति और सरकार की प्रतिक्रिया की जानकारी भी नहीं दी।

स्थानीय स्तर पर हुई थी झड़प

हिंसा की शुरुआत 26 जुलाई को हुई थी जब सुनसरी जिले की देवानगंज ग्रामीण नगरपालिका तीन के कप्तानगंज क्षेत्र में हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच स्थानीय स्तर पर झड़प हुई। श्रावण महीने के दौरान आयोजित होने वाले बोलबम पर्व में शामिल हिंदू श्रद्धालु कोशी बैराज से पवित्र जल लेकर कप्तानगंज चौक की ओर जा रहे थे और रास्ते में तेज डीजे संगीत बजा रहे थे। पुलिस के अनुसार मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने तेज संगीत पर आपत्ति जताई जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद धक्का-मुक्की में बदल गया और फिर हिंसक हो गया। दोनों समुदायों के बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए। उनके पास लाठियां पत्थर बांस के डंडे और लोहे की रॉड जैसे अस्थायी हथियार थे जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। कार्रवाई के दौरान ओम प्रकाश मेहता नाम के एक युवक की पुलिस की गोली लगने से मौत हो गई।

बालेन शाह को कड़ी चुनौती

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के सामने यह उनके कार्यकाल की पहली बड़ी आंतरिक सुरक्षा और राजनीतिक चुनौती मानी जा रही है। विपक्ष उन पर संकट के शुरुआती दौर में प्रभावी नेतृत्व न दिखाने का आरोप लगा रहा है। सरकार ने जांच समिति बनाई है दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा दिया है और शांति बनाए रखने की अपील की है। सवाल यह है कि क्या यह कदम पर्याप्त साबित होंगे या यह विवाद आने वाले दिनों में व्यापक राजनीतिक और सामाजिक बहस का कारण बनेगा। भारत के लिए भी यह घटनाक्रम केवल पड़ोसी देश की एक खबर नहीं है। भारत और नेपाल के बीच खुली सीमा गहरे सामाजिक सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध हैं। ऐसे में सीमा से लगे भारतीय क्षेत्रों में सुरक्षा एजेंसियों द्वारा निगरानी बढ़ाना एक एहतियाती कदम माना जा रहा है। अभी तक भारत में किसी राष्ट्रव्यापी हाई अलर्ट की घोषणा नहीं हुई है लेकिन सीमावर्ती इलाकों में सतर्कता बढ़ाई गई है। एक्सपर्ट की नजर एक और पहलू पर है दक्षिण एशिया में पिछले वर्षों के कई सांप्रदायिक तनावों की शुरुआत स्थानीय धार्मिक आयोजनों जुलूसों या ध्वनि-विवाद जैसे छोटे कारणों से हुई और बाद में वह बड़े राजनीतिक मुद्दों में बदल गए सवाल यही है कि क्या नेपाल का ताजा घटनाक्रम भी उसी दिशा में जाएगा। यदि स्थिति समय रहते नियंत्रित नहीं हुई तो इसका असर नेपाल की आंतरिक राजनीति और सामाजिक विश्वास दोनों पर पड़ सकता है।

राष्ट्र के नाम बालेन शाह का संबोधन

राष्ट्र के नाम टेलीविजन संबोधन में पीएम बालेन शाह ने कहा है कि सरकार इस स्थिति को बेहद गंभीरता से ले रही है। उन्होंने हिंसा के दौरान पुलिस से हुई झड़पों में मारे गए जय प्रकाश मेहता, ओम प्रकाश मेहता और गणेश यादव के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए जनता को भरोसा दिलाया है कि सुनसरी, सिराहा और अन्य प्रभावित जिलों में हुई घटनाओं के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ निष्पक्ष और पारदर्शी जांच के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अपने टीवी संबोधन में कहा है कि मैं सभी को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से की जाएगी। सरकार सभी दोषियों को चाहे वह कोई भी हों कानून के दायरे में लाने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम बालेन शाह ने बताया कि गृह मंत्रालय ने घटनाओं की जांच के लिए पहले ही एक जांच समिति बना दी है। साथ ही स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि घायल लोगों का तुरंत और बेहतर इलाज सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने लोगों से जिम्मेदारी दिखाने की अपील करते हुए कहा कि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर अफवाहें अपुष्ट जानकारी या ऐसी सामग्री साझा न करें जो सांप्रदायिक तनाव को बढ़ा सकती हो।

तनाव बरकरार तेजी से फैल रही है हिंसा

मधेश प्रदेश के कई जिलों में तनाव बना हुआ है। सुनसरी के कप्तानगंज क्षेत्र में हुई हिंसा के बाद शुरू हुए विरोध प्रदर्शन पूरे क्षेत्र में फैल गए है। सिराहा जिले के गोलबाजार और लहान तथा धनुषा जिले के जनकपुरधाम सहित कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। यह प्रदर्शन दिन भर विभिन्न संगठनों द्वारा आयोजित किए गए थे। सिराहा में हुई झड़पों के दौरान गोली लगने से एक किशोर, गणेश यादव, की मौत हो गई। वहीं जय प्रकाश मेहता की सुनसरी में हुई झड़पों में लगी चोटों के कारण मौत हो गई। ओम प्रकाश मेहता की भी सुनसरी की हिंसा में जान चली गई थी। धनुषा और सिराहा में पुलिस के कई जवान भी घायल हुए है। सिराहा में आगजनी की घटनाएं भी सामने आईं। हालात बिगड़ने पर प्रशासन ने सिराहा के कई इलाकों और धनुषा के जनकपुरधाम में कर्फ्यू लगा दिया। वहीं भारत सीमा से लगे पर्सा जिले में निषेधाज्ञा लागू की गई।

भाजपा ने लोकआस्था से विश्वासघात किया : अखिलेश

» राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सपा सांसदों के साथ किया प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर पीछे हटने को तैयार नहीं है। वह हर स्तर पर भाजपा पर अपना प्रहार जारी रखे हैं। उन्होंने सपा सांसदों के साथ संसद भवन परिसर में राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर प्रदर्शन किया और भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की। इसे लेकर अखिलेश यादव ने एक्स पर बयान दिया और भाजपा को लोकआस्था के विश्वासघात का दोषी बताया।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग आस्था के साथ विश्वासघात के महापाप और अपराध के दोषी हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि भाजपा और उनके संगी-साथी 'आस्था के साथ विश्वासघात के महापाप और अपराध' के दोषी हैं! उन्होंने कहा कि राम मंदिर मामले में बिना किसी की जिम्मेदारी तय किये, ट्रस्ट के उच्चस्थ पदाधिकारियों को क्लीन चिट दे दी गई है। मंदिर का धन और बहुमूल्य धातुओं को बोरों में भरकर कहीं और पहुँचाया है ये महापाप है। इसीलिए 'लोकधन की लूट' का मुद्दा लोक-संसद तक पहुँचाना और उठाना, हम सब का धर्म सम्मत कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि जो भाजपा का साथी है वो रामघाती-महापापी है। अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के सांसदों में दिल्ली में संसद भवन के बाहर राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की।

दान के बदले नक़ली रसीद छपवाकर दी

देश की आस्थावान जनता का मानना है कि भाजपा और उनके संगी-साथियों ने 'श्रद्धा में सेंधमारी' करते हुए जिस तरह 'दान-पात्र' से चढ़ावा-चंदा चोरी की है। गुप्त दान में महा-घपले किये हैं। दान की रसीद दी ही नहीं है या दान के बदले नक़ली रसीद छपवाकर दी है।

कौड़ियों के दाम में अयोध्या की जमीनें खरीदवाकर, फिर उसे बीसों गुना दाम में बेचा गया

अपने लोगों को कौड़ियों के दाम में अयोध्या की जमीनें खरीदवाकर, फिर उसे बीसों गुना दाम में करोड़ों में मंदिर को बेचकर ट्रस्ट के 'धर्म-खाते' को लूटा है। जमीन के सौदे के अशुभ लाभ को आपस में बांटा है। ईमानदार लोगों द्वारा आपत्ति किये जाने पर उन्हें हटाया है। हर जगह अपने भ्रष्ट लोग सेट किये हैं। ये अक्षम्य महापाप है उन्होंने आगे कहा कि चोरी की राशि की बरामदगी को दर्ज नहीं कराया गया है। जांच में कुछ भी 'उल्लेखनीय' नहीं है, ये कहकर गुमराह किया है। सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग और अन्य सबूत मिटाए हैं जिनकी खुद की जांच चल रही है, उनसे जांच करवाई है।

पत्रकारों पर बढ़ती कार्यवाहियों में स्वतंत्र जांच की जाए : अजय राय

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष को पत्र लिखकर उत्तर प्रदेश में पत्रकारों, डिजिटल मीडिया कर्मियों एवं स्वतंत्र रिपोर्टरों के विरुद्ध बढ़ती आपराधिक कार्यवाहियों के संबंध में स्वतंत्र जांच एवं आवश्यक हस्तक्षेप किए जाने की मांग की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने पत्र में लिखा है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) द्वारा प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की आधारशिला है। यदि पत्रकार जनहित के विषयों पर निर्भय होकर रिपोर्टिंग नहीं कर पाएँगे, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव केवल मीडिया पर ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व पर भी पड़ेगा और आम जनता को देश एवं प्रदेश के कानूनों के तहत मिले अधिकारों का भी हनन होगा।

उन्होंने कहा है कि विगत कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश में पत्रकारों, डिजिटल मीडिया कर्मियों एवं स्वतंत्र रिपोर्टरों के विरुद्ध दर्ज आपराधिक मुकदमों एवं पुलिसिया कार्यवाहियों की अनेक घटनाएँ राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय रही हैं। हाल ही में वरिष्ठ पत्रकार अभिषेक उपाध्याय के विरुद्ध थाना हजरतगंज, लखनऊ में 27 जून 26 को एक और प्राथमिकी दर्ज होने का मामला सार्वजनिक हुआ। इससे पूर्व वर्ष 24 में भी उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसी प्रकार सुश्री ममता त्रिपाठी तथा उत्तर प्रदेश में रिपोर्टिंग करने वाले दी वायर के पत्रकारों के विरुद्ध भी विभिन्न अवसरों पर प्राथमिकी दर्ज होने के मामले सामने आए। आल्ट न्यूज के सह-संस्थापक एवं तथ्य जांच (फैक्ट एण्ड चेकिंग) पत्रकार श्री मोहम्मद जुबैर के विरुद्ध उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज मामलों तथा वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय विनोद दुआ के विरुद्ध उनके जीवित रहते हुए उत्तर प्रदेश में दर्ज प्राथमिकी ने भी प्रेस की स्वतंत्रता, आपराधिक कानूनों के प्रयोग तथा पत्रकारों के संवैधानिक संरक्षण पर गंभीर प्रश्न उठाए हैं। श्री राय ने पत्र में कहा है कि एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (एडिटर्स गिल्ड आफ इण्डिया) ने उत्तर प्रदेश में पत्रकारों के विरुद्ध दर्ज विभिन्न प्राथमिकी एवं पुलिसीय कार्यवाहियों पर समय-समय पर चिंता व्यक्त की है। कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स(सीपीजे) ने भी भारत में पत्रकारों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाइयों को लेकर चिंता व्यक्त की है। देश के अनेक वरिष्ठ विधिवेत्ताओं, पत्रकार संगठनों एवं नागरिक समाज के प्रतिनिधि सार्वजनिक रूप से चिंता व्यक्त करते रहे हैं।

बहुजन समाज पार्टी छोड़कर कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए पंडित नीरज शर्मा को सदस्यता दिलाते प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय।

प्रदेश सरकार एवं पुलिस महानिदेशक को किया जाए तलब

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने मांग की है कि मानवाधिकार आयोग वर्ष 2020 से वर्तमान तक उत्तर प्रदेश में पत्रकारों, डिजिटल मीडिया कर्मियों एवं स्वतंत्र रिपोर्टरों के विरुद्ध दर्ज आपराधिक मामलों का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष परीक्षण कराए। उत्तर प्रदेश सरकार एवं पुलिस महानिदेशक से इन मामलों का समेकित प्रतिवेदन तलब करे। यह परीक्षण कराए कि क्या पत्रकारों के विरुद्ध आपराधिक कानूनों के प्रयोग की कोई ऐसी प्रवृत्ति विकसित हुई है, जिससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं स्वतंत्र पत्रकोरिता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा हो। एडिटर्स गिल्ड आफ इण्डिया, प्रेस क्लब आफ इण्डिया, कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स (सीपीजे) तथा उत्तर प्रदेश के मान्यता प्राप्त पत्रकार संगठनों से भी विशेषज्ञ अभिमत प्राप्त कर उचित अनुशंसा जारी करें, जिससे पत्रकारों की सवैधानिक स्वतंत्रता एवं सुरक्षा प्रभावी रूप से संरक्षित रह सके।

आकाश आनंद ने संभाली कमान

» सोशल मीडिया टीम संग चुनाव प्रचार की बनायी रणनीति, बसपा सरकार की उपलब्धियां बताएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विस चुनाव से पहले बहुजन समाज पार्टी ने कमर कसना शुरू कर दिया। पार्टी ने नई-नई रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने यूपी की जिम्मेदारी मिलने के बाद विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए सारे कील-कांटे दुरुस्त करने शुरू कर दिए हैं। पार्टी के प्रचार अभियान को धार देने के लिए आकाश जल्द दिल्ली में सोशल मीडिया की कोर टीम के साथ मंथन करेंगे।

इस बार अपने प्रचार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद भी लेने की तैयारी है ताकि युवाओं को पार्टी के विचारों और मायावती के शासनकाल की उपलब्धियों को आसान तरीके से बताया जा सके। आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत आकाश अपनी टीम को मजबूत करने की कवायद में जुटे हैं ताकि दिल्ली में हुए छात्रों के प्रदर्शन के बाद युवाओं तक पार्टी की पहुंच कायम की जा सके। पार्टी बताएगी कि बसपा युवाओं के भविष्य को लेकर फिक्रमंद है और अन्य दलों की तरह उन्हें भड़का कर कानूनी कार्रवाई के दायरे में आने से बचाती है। इसके जरिये खासकर आजाद समाज पार्टी की घेराबंदी की जाएगी जो बसपा के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है।

बामुलाहिजा
कार्टून: हसन जैदी

छात्रों पर पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय हो : चंद्रशेखर

» आज़ाद समाज पार्टी-कांशीराम के अध्यक्ष ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिजनौर। आजाद समाज पार्टी-कांशीराम के अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद ने दिल्ली में छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर जवाबदेही की मांग की है। उन्होंने ज़ोर दिया कि दिल्ली पुलिस, जो अमित शाह के नेतृत्व वाले केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन काम करती है, उसे बल प्रयोग के लिए जवाब देना होगा।

आजाद ने कहा कि किसी भी मामले में जवाबदेही तय होनी चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं है कि दिल्ली पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आती है। उनके ये बयान तब आए हैं जब 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई को लेकर विपक्षी पार्टियों का दबाव बढ़ रहा था। आजाद ने उत्तर प्रदेश में कार सेवकों पर गोलीबारी के आरोपों का भी जिक्र किया और कहा कि दोनों मामलों में जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अक्सर यह दावा किया जाता है कि उत्तर प्रदेश में कार सेवकों पर गोलीबारी का आदेश उस समय के मंत्री ने दिया था। अगर यह कहना गलत है कि मौजूदा गृह मंत्री ने यह आदेश नहीं दिया था, तो वहां यह प्रचार करना भी गलत है कि उस समय के मंत्री ने कार सेवकों पर गोलीबारी का आदेश दिया था। उन्होंने आगे कहा कि आपको यह भी बताना होगा कि किसके आदेश पर ये गोलियां और आंसू गैस के गोले चलाए गए? यह एक बहुत बड़ी घटना हो सकती थी... क्या इन सब बातों को भुला दिया जाना चाहिए? यह सच है कि जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

आप ने दिया चंद्रशेखर आजाद का साथ

आम आदमी पार्टी के एक और सांसद, मलविंदर सिंह कांग ने भी जवाबदेही की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि जवाबदेही तय होनी चाहिए क्योंकि पुलिस सीधे गृह मंत्रालय के नियंत्रण में है। इसीलिए हम उनसे जवाब मांग रहे हैं। कांग ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर के लिए दिए गए दान की कथित चोरी के मामले में सरकार की जवाबदेही पर भी सवाल उठाए और केंद्र सरकार से इस पर सफाई मांगी। राम मंदिर के दान की चोरी और करोड़ों लोगों की भावनाओं के साथ जिस तरह से खिलवाड़ किया गया है, उसके लिए सरकार जवाबदेह है। सरकार को इसका जवाब देना होगा।

बंगाल में जारी है अब भी सियासी बवाल

भाजपा सरकार का विपक्ष का प्रहार

» टीएमसी भी पूरी ताकत से लड़ने को तैयार

» सीएजी रिपोर्ट व बागी नेताओं पर वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में नई भाजपा सरकार धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। पर राज्य का सियासी पारा अब चढ़-उतर रहा है। जहां शुभेंदु सरकार विपक्षी पार्टी टीएमसी के खिलाफ जांच अभियान चलाए हुए हैं वही टीएमसी भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। महुआ मोइत्रा ने तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों पर बड़ा हमला बोला है। एनडीए में शामिल हो चुके सांसदों के आगे अभी भी लोकसभा कार्यवाही के लाइव टेलीकॉस्ट में टीएमसी लिखे जाने पर महुआ मोइत्रा ने हमला बोला है। महुआ मोइत्रा ने कहा है कि कम से कम गद्दारी वाला ठप्पा तो हटवा लेते।

वहीं राज्य सरकार कर्मियों के नए-नए सौगात देने की तैयारी कर रही है। इसबीच विस में ममता बनर्जी के कार्यकाल की योजनाओं का सीएजी रिपोर्ट पेश करने को लेकर भी बवाल मचने वाला है। मता बनर्जी खेमे की फायरब्रांड नेता और सांसद महुआ मोइत्रा पार्टी में बगावत होने के बाद से बागी सांसदों पर हमले का कोई मौका नहीं छोड़ रही हैं। मंगलवार को लोकसभा की कार्रवाई चली तो महुआ मोइत्रा ने इसी दौरान एक स्क्रीनशॉट साझा किया है। महुआ मोइत्रा ने लिखा है कि अरे.. इतनी बेशर्मी भरी गद्दारी के बाद भी गद्दार अपना टीएमसी (ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस) वाला ठप्पा नहीं हटा पाए। कितना दुखद है। कम से कम बीजेपी की B टीम तो कहलवा लो, जब तक किसी गैर-मान्यता प्राप्त पार्टी के साथ अपने मशहूर विलय का इंतजार कर रहे हो।

अभिषेक बनर्जी ने ओम बिरला को लिखा है लेटर

हालांकि लोकसभा स्पीकर ने अभी तक विधायकों के एमसीपीआई में जाने को ऑफिशियली मान्यता नहीं दी है, लेकिन लोकसभा में उनके लिए अलग बैठने का इंतजाम पहले ही कर दिया गया है। इससे पहले, अभिषेक बनर्जी, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और कल्याण बनर्जी के साथ, स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की थी, और सभी बागी सांसदों को तुरंत डिसक्वालिफाई करने की मांग की थी।

शुभेंदु अधिकारी ने सुदीप बंदोपाध्याय संग बंद कमरे में की बात

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी नई दिल्ली में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पूर्व 20 लोकसभा सदस्यों से मुलाकात करेंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद ये सभी सांसद नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो गए थे। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की इन सांसदों से मुलाकात उस वक्त होने वाली है, जब टीएमसी एंटी-डिफेक्शन लॉ के तहत उन्हें अयोग्य कराने की कोशिश कर रही है। सीएम की यह बैठक और खास तब हो जाती है, जब टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखने के ठीक एक दिन बाद हो रही है। अभिषेक बनर्जी ने सांसदों के खिलाफ पार्टी की डिसक्वालिफिकेशन पिटीशन को जल्द से जल्द निपटाने का अनुरोध किया था। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के कुछ हफ्ते बाद, ममता बनर्जी की पार्टी से अलग होकर कम चर्चित 'नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) में शामिल होने वाले तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों में बंदोपाध्याय भी शामिल हैं। सोमवार शाम को राज्य सचिवालय नबान्न में हुई एक घंटे की बैठक और भी अहम हो जाती है क्योंकि भाजपा सूत्रों के मुताबिक, अधिकारी ने आखिरी समय पर राष्ट्रीय राजधानी का अपना दौरा रद्द कर दिया। बंदोपाध्याय और अधिकारी के बीच हुई बातचीत के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया।

'अम्फान' राहत कार्यों में अनियमितताओं का आरोप

कैग ने 'अम्फान' चक्रवात के बाद पश्चिम बंगाल सरकार के राहत और पुनर्वास कार्यों में गंभीर अनियमितताओं को उजागर किया है। कैग ने आरोप लगाया कि नुकसान का आकलन बढ़ा-चढ़ाकर किया गया, हजारों लाभार्थियों को कई बार राहत राशि का भुगतान किया गया तथा पूर्व में आए एक अन्य चक्रवात के लिए तैयार लाभार्थी सूची के आधार पर सहायता बांटी गई। 'अम्फान' के बाद राहत और पुनर्वास कार्यों पर शनिवार को विधानसभा में पेश अनुपालन लेखा परीक्षा रिपोर्ट में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने कहा कि केंद्र से सहायता मांगने के लिए राज्य सरकार द्वारा भेजा गया नुकसान का आकलन ''बढ़ा-चढ़ाकर और अवास्तविक रूप से अधिक'' था तथा वास्तविक नुकसान के पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध नहीं कराए गए।

ममता बनर्जी की बढ़ेंगी मुश्किलें, बीजेपी सरकार ने विस में रख दी 28 पेंडिंग सीएजी रिपोर्ट

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बंगाल की बीजेपी सरकार ने विधानसभा में चार साल से लंबित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की 28 रिपोर्टें पेश कर दी हैं। इन रिपोर्टों में अम्फान चक्रवात राहत वितरण, स्वास्थ्य साथी योजना, शहरी निकायों और समग्र शिक्षा मिशन समेत कई सरकारी योजनाओं में पैसों को लेनदेन और प्रशासनिक अनियमितताओं का खुलासा किया गया है। सरकार ने इन रिपोर्टों पर विस्तृत चर्चा के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की भी घोषणा की है। सरकार ने आरोप लगाया कि पिछली टीएमसी सरकार ने इन रिपोर्टों को विधानसभा में प्रस्तुत नहीं कर संवैधानिक दायित्व का पालन नहीं किया। वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने कहा कि इन रिपोर्टों पर विस्तार से चर्चा के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाएगा ताकि जनता के सामने सारी सच्चाई रखी जा सकें। दासगुप्ता

ने कहा कि इन रिपोर्ट का अध्ययन करने से पश्चिम बंगाल पर आठ लाख करोड़ रुपये से अधिक के कर्ज के कारणों का पता चलेगा। उन्होंने विधानसभा के सभी सदस्यों से इन रिपोर्ट का अध्ययन करने का आग्रह किया। दासगुप्ता ने कहा कि राज्य की पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार ने इस अवधि के दौरान कैग की रिपोर्ट सदन में पेश नहीं की थीं, इसलिए मौजूदा सरकार ने ये रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी हैं।

बागियों का एनसीपीआई में नहीं हुआ है विलय

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद ममता बनर्जी के 20 सांसदों ने काकोली घोष दस्तीदार की अगुवाई में बगावत की थी। इसके बाद उन्होंने एनसीपीआई में विलय का पत्र लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को सौंपा था। ओम बिरला ने उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी के सांसदों के शिंदे की शिवसेना में विलय को मंजूरी दे दी है लेकिन टीएमसी के बागियों का एनसीपीआई में विलय अभी अटका हुआ है। यही वजह है कि ओम बिरला ने उन्हें अलग बैठने की जगह तो दे दी है लेकिन अभी उनके नाम के आगे AITC यानी ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस ही लिखा जा रहा है। टीएमसी के बागियों में सायोनी घोष और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल में सरकारी कर्मचारियों को मिलेगा 20 प्रतिशत अतिरिक्त डीए और अक्टूबर का वेतन

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों को दुर्गा पूजा से पहले 20 प्रतिशत अतिरिक्त महंगाई भत्ता (डीए) और अक्टूबर महीने का वेतन जारी किया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि वह केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों के बीच महंगाई भत्ते (डीए) के अंतर को कम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ दिन पहले गठित सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू किया जाएगा। पश्चिम बंगाल पुलिस मुख्यालय 'भवानी भवन' में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैंने वित्त सचिव और वित्त मंत्री से अक्टूबर का वेतन दुर्गा पूजा से पहले जारी करने को कहा है। साथ ही, मैंने उन्हें पूजा वाले महीने में अतिरिक्त 20 प्रतिशत महंगाई भत्ता जारी करने का निर्देश दिया है।'' राज्य सरकार के कर्मचारियों को आमतौर पर हर महीने के अंतिम कार्य दिवस पर वेतन मिलता है। यदि यह निर्णय लागू होता है, तो कर्मचारियों को इस वर्ष अक्टूबर के मध्य में होने वाले दुर्गा पूजा उत्सव से काफी पहले वेतन मिल जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के बजट में की गई घोषणा के अनुसार, अतिरिक्त 20 प्रतिशत महंगाई भत्ता अक्टूबर से प्रभावी होगा। उन्होंने कहा, ''केंद्र और राज्य के बीच डीए में 42 प्रतिशत का अंतर है। हम इस अंतर को रातोंरात खत्म नहीं कर सकते, इसमें समय लगेगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

खेती के साथ और जरूरतों को जोड़ना ही विकल्प

सरकारों को चेतना होगा कुछ ठोस उपाय बनाने होंगे जिससे आने वाले संकट ये निपटा जा सके। तेजी से बढ़ती वैश्विक जनसंख्या, जलवायु परिवर्तन, कृषि योग्य भूमि में निरंतर कमी और स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती मांग ने मानव सभ्यता के सामने एक जटिल चुनौती खड़ी कर दी है, क्या एक ही भूमि से भोजन भी उगाया जा सकता है और ऊर्जा भी उत्पन्न की जा सकती है?

आज जिस तरह से शहरीकरण की वजह से जमीन कम हो रही है आने वाले समय के संकट की आहट भी है। सबसे ज्यादा इसका खतरा भारत पर होगा। कृषि प्रधान इस देश की आबादी बढ़ती जा रही है ऐसे खेती वाली भूमि पर विकास की योजनाएं आ रही उससे जोत सिकुड़ रहें हैं जो खतरनाक है। सरकारों को चेतना होगा कुछ ठोस उपाय बनाने होंगे जिससे आने वाले संकट ये निपटा जा सके। तेजी से बढ़ती वैश्विक जनसंख्या, जलवायु परिवर्तन, कृषि योग्य भूमि में निरंतर कमी और स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती मांग ने मानव सभ्यता के सामने एक जटिल चुनौती खड़ी कर दी है, क्या एक ही भूमि से भोजन भी उगाया जा सकता है और ऊर्जा भी उत्पन्न की जा सकती है? लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि कृषि और सौर ऊर्जा परियोजनाएँ एक-दूसरे की प्रतिस्पर्धी हैं, क्योंकि दोनों के लिए भूमि की आवश्यकता होती है।

किंतु विज्ञान ने इस द्वंद्व का एक अभिनव समाधान प्रस्तुत किया है, जिसे एग्रो-वोल्टिक्स या एग्री-सोलर प्रणाली कहा जाता है। यह ऐसी वैज्ञानिक अवधारणा है, जिसमें एक ही खेत पर फसल उत्पादन और सौर ऊर्जा उत्पादन दोनों साथ-साथ किए जाते हैं। परिणामस्वरूप वही भूमि एक साथ अन्न, ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण, तीनों की आवश्यकताओं की पूर्ति करती है। यही कारण है कि आज एग्रो-वोल्टिक्स को भविष्य की सतत कृषि और हरित ऊर्जा का एकीकृत मॉडल माना जा रहा है। एग्रो-वोल्टिक्स के पीछे कार्य करने वाला वैज्ञानिक दर्शन जीवविज्ञान और भौतिकी के अत्यंत सूक्ष्म एवं अंतर-संबंधी सिद्धांतों पर आधारित है। साधारणतया यह माना जाता है कि पौधों को जितनी अधिक सूर्य की रोशनी मिलेगी, वे उतनी ही तेजी से वृद्धि करेंगे, परंतु वनस्पति विज्ञान के गहरे अध्ययन इस भ्रांति का निवारण करते हैं। जब सूर्य का प्रकाश और तापमान एक निश्चित सीमा से अधिक हो जाता है, तो अधिकांश पौधों में फोटो-इनहिबिशन यानी प्रकाश-संश्लेषण में बाधा की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। तीव्र ऊष्मा के कारण पौधों की पत्तियाँ अपनी रक्षा के लिए रंध्रों को बंद कर लेती हैं, जिससे कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण रुक जाता है और पौधों का विकास अवरुद्ध हो जाता है। सोलर पैनलों को जब एक वैज्ञानिक कोण और पारभासी दूरी पर स्थापित किया जाता है, तो वे नीचे उगाई जाने वाली फसलों के लिए एक रक्षात्मक छत्र का कार्य करते हैं। यह आंशिक छाया पौधों को भीषण ताप-लहरों, चिलचिलाती धूप, अत्यधिक वाष्पोत्सर्जन और ओलावृष्टि जैसे मौसमी जोखिमों से बचाती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बदलता भूजल प्रवाह बढ़ाता भवनों के लिए जोखिम

वीरेंद्र कुमार पैन्यूली

पर्वतीय भूमिगत जल भंडारों पर वैश्विक स्तर पर भी बहुत विस्तृत अध्ययन कई कारणों से नहीं हो पाया है। उत्तराखंड जैसे घोषित पर्वतीय राज्य में भी यही स्थिति है। किंतु जोशीमठ भूधंसाव से बनी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय चिंताओं तथा पहाड़ी नए-पुराने शहरों को बचाने-बसाने के क्रम में भूजल विज्ञान की जमीनी समझ अपरिहार्य हो गई है। जोशीमठ में 2 जनवरी, 2023 से एक कॉलोनी के चैनल से पानी निकलने की सूचना मिलने के बाद से ही सरकारी स्तर पर इसकी प्रतिदिन माप की जा रही है और तब से जलप्रवाह में लगातार उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। बयान जारी होते रहे हैं कि पानी के प्रवाह की दर इतनी कम हुई या इतनी ज्यादा हुई, या अब एकदम ही बंद हो गई है। पानी लोगों के घरों में भी दरारों के साथ आया था। ऐसे बयानों से आमजन के बीच यह धारणा विकसित करने की कोशिश होती है कि कम होता डिस्चार्ज भूधंसाव का जोखिम कम होने का सूचक है।

ऐसा विश्लेषण करना वैज्ञानिक दृष्टि से सही नहीं होगा। यदि निर्माणों को आधार देने वाली परतों में जल रिसाव या जल निकासी घटती-बढ़ती रहती है अथवा चट्टानों के अपभ्रंशों में पानी सूखता-भरता रहता है, यानी उतार-चढ़ाव होता है, तो आधारित भवनों की नींवों पर काफी दबाव आ जाता है। भूजल की तेजी से अप्रत्याशित घटत-बढ़त भवनों को लंबी अवधि में कमजोर ही करती है। यदि यह बाहर निकलता कम पानी पहले कहीं नींवों के आसपास जमा होने के कारण कम हो रहा है, तो वह भवनों की सुरक्षा के लिए ठीक नहीं है। नींव के आसपास जमा पानी मृदा परतों की ताकत कम कर देता है। पहाड़ों में, खासकर चूने के अपभ्रंशों में भी पानी घुसता व जमा होता है। ठोस चट्टानों की दरारों से भी पानी घुसता है। घने जंगलों के चौड़ी पत्तियों वाले क्षेत्र में भी भूमिगत जल जमा होता है। रिसाव बर्फबारी से भी संभव है। अनुभव रहा है कि जब कभी अचानक नदी की धारा मंद हो जाती है, तो अंदेशा पैदा हो जाता है कि कहीं ऊपर नदी मार्ग में भूस्खलनों से अवरोध आ गया है।

अब पानी कम दिख रहा है, किंतु जब वह अवरोध टूटेगा, तो नदी भीषण वेग में आ सकती है। जलवायु बदलाव की अतिरेकी घटनाओं के बीच ऐसे दंश बढ़ेंगे ही। कई बार गहराइयों तक पहुंची नींवों से भी पहाड़ों में जमीन के अंदर ढलानों में बहता जल-प्रवाह बाधित हो जाता है। ऐसे में जलधाराएं अन्य राहें ढूंढ़ लेती हैं व अन्य कमजोर भ्रंशों से

फूटकर बाहर निकल सकती हैं। जमीन के भीतर यदि ढीली मिट्टी-पत्थर की परतें हों, तो जैसे सतह पर ढलानों में वेगमयी जल-प्रवाह मलबा-मिट्टी लेकर बढ़ता है, वैसे ही वे जमीन के भीतर भी मिट्टी-पत्थर लेकर बढ़ सकते हैं और मकानों, भवनों व पिलरों की नींव की मिट्टी बहाकर आगे ले जा सकते हैं। नींव के मेटिरियल के कटाव से मकान, भवन, पुल आदि तिरछे या ध्वस्त हो सकते हैं। यदि भवनों के आसपास किन्हीं कारणों से दरारें आ जाएं, तो भूमिगत नींवों के पास पहुंचा पानी भी मकानों, भवनों या अन्य कंक्रीट ढांचों को असुरक्षित व जर्जर बना सकता है। निर्माण संरचनाओं की नींवों के जितना निकट भूमिगत जल स्तर होता जाता है, उतनी ही नींव की भवन धारण क्षमता घटती जाती है। भूमिगत जल जितना नीचे होगा, उतना ही कम उसका असर निर्माण संरचनाओं पर पड़ेगा। शैल या मृदा परतों के रंध्रों में पहुंचा पानी पोर प्रेशर पर असर डालता है। यदि रंध्रों में पानी हवा को हटाकर अपनी जगह बना रहा है, तो पानी, वायु से भारी होने के कारण, शैल या मिट्टी की परतों का भार बढ़ा देता है। इससे सतह व भीतर के ढलावों (स्लोप्स) में अस्थिरता आ जाती है, जिससे निर्माणों में भी अस्थिरता आ सकती है। साथ ही, पानी जब किसी शैल या मृदा परत पर रिसता रहता है, तो वह उस परत के भौतिक व रासायनिक घटकों में बदलाव ले आता है। यदि शौचालय सीवर लाइनों से जुड़े नहीं हैं और उनका मल-मूत्र एवं शौच-जल परिसर में बने पिटों में ही जाता है, तो अत्यधिक उपयोग की स्थिति में भूमि के भीतर नींवों के आसपास रिसाव और जल-जमाव की समस्या पैदा हो सकती है।

अधिकांश गांवों व बस्तियों में शौचालय सीवर नेटवर्क से जुड़े नहीं हैं, इसलिए यह जोखिम वहां भी विद्यमान है। ऐसे में यदि किसी स्थान पर सामान्य क्षमता से अधिक भीड़ शौचालयों और मूत्रालयों का उपयोग करे, तो पिटों पर अत्यधिक दबाव पड़ना, उनका क्षतिग्रस्त होना तथा रिसाव की समस्या बढ़ना स्वाभाविक है। पहाड़ी क्षेत्रों में बहुमंजिला भवनों के निर्माण के लिए गहरी नींव आवश्यक होती है, जिससे भूमिगत जलवाहिनियों को क्षति पहुंचने या उनके प्राकृतिक प्रवाह में परिवर्तन की आशंका बढ़ जाती है। जोशीमठ जैसे क्षेत्रों में वर्षों से जारी असमान भू-धंसाव के कारण सतही और भूमिगत जल के प्रवाह तथा रिसाव की दिशा भी बदल सकती है।

इसरो के लिए प्रतिभाओं को थामे रखने की चुनौती

दिनेश सी शर्मा

भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र अच्छी और बुरी, दोनों वजहों से सुर्खियों में है। अच्छी खबर यह है कि भारत की एक निजी कंपनी, 'स्काईरूट' ने पहला 'एंड-टू-एंड' (आरंभ से अंत तक) निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण मिशन पूरा कर दिखाया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) के दो पूर्व इंजीनियरों द्वारा शुरू की गई इस कंपनी ने अपने रॉकेट, विक्रम-1 की प्रथम उड़ान सफल बनाकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। कंपनी को उम्मीद है कि वह अगले साल इस रॉकेट का उन्नत प्रारूप विक्रम-2 उड़ा पाएगी। इसका मकसद 'लो अर्थ ऑर्बिट' (पृथ्वी की निचली कक्षा) में सैटेलाइट स्थापित करने के अरबों डॉलर के बाजार में उतरना है। बुरी खबर इसरो के बारे में है, जहां से कई बड़े वैज्ञानिक और इंजीनियर नौकरी छोड़कर जा रहे हैं।

खबरों के मुताबिक, यू.आर. राव स्पेस सेंटर, विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर और नेशनल स्पेस एजेंसी की अन्य अहम इकाइयों में काम करने वाले दर्जनों वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने या तो इस्तीफा दे दिया है या समयपूर्व सेवानिवृत्ति ले ली। इनमें से कई वैज्ञानिक भारत की अग्रणी अंतरिक्ष परियोजनाओं, जैसे कि गगनयान मिशन (इंसानों को अंतरिक्ष में भेजने का मिशन), नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल (एनजीएलवी) और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसे महत्तवपूर्ण कार्यक्रमों पर काम कर रहे थे। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि अंतरिक्ष विभाग को इस पलायन पर प्रतिबंध लगाने का फैसला करना पड़ा है। उसने निर्देश दिया है कि अहम मिशनों से जुड़े लोगों को परियोजना पूरी होने तक इसरो छोड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी। सरसरी तौर पर देखें तो भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट का प्रक्षेपण और इसरो से प्रतिभा पलायन (ब्रेन ड्रेन) एक-दूसरे से अलग लग सकते हैं। लेकिन असल में, ये दोनों आपस में जुड़े हुए हैं। इसरो की इकाइयों में इस्तीफ़ों की बाढ़ का सबसे परोक्ष कारण पिछले कुछ वर्षों में निजी क्षेत्र की अंतरिक्ष कंपनियों का उभरना है।

यह सरकार के उस फैसले का सीधा नतीजा है, जिसमें निजी कंपनियों को रॉकेट और सैटेलाइट बनाने तथा उनका प्रक्षेपण करने की इजाजत दी गई थी। इस नीति के आने से पहले भारतीय भूमि से रॉकेट छोड़ने के काम पर केवल इसरो का एकाधिकार था। सरकार ने न सिर्फ निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र के दरवाजे खोल दिए, बल्कि इसरो को यह भी निर्देश दिया कि वह कंपनियों को अपनी सुविधाओं का इस्तेमाल करने दे। इन सबने एक ऐसी स्थिति बना दी, जिसमें निजी कंपनियों ने इसरो की इंजीनियरिंग प्रतिभाओं को आकर्षक वेतन, सुविधाओं और चुनौतीपूर्ण परियोजनाओं से लुभाकर अपनी ओर खींच लिया। सरकारी संस्थानों से निजी क्षेत्र में प्रतिभा का इस प्रकार का पलायन इसरो के लिए कोई नई बात नहीं है और न ही यह केवल अंतरिक्ष क्षेत्र तक ही सीमित है। अमेरिका का नामी निजी अंतरिक्ष क्षेत्र, नासा द्वारा तैयार और प्रशिक्षित किए गए लोगों (मानव संसाधन) के दम पर ही खड़ा है। सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के आरंभिक दौर में निजी कंपनियों ने अपनी अनुसंधान एवं विकास टीमें इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और कंप्यूटर मेंटेनेंस कॉर्पोरेशन जैसी सरकारी कंपनियों से लोगों को लाकर तैयार की थीं। ऐसा ही हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) जैसी महत्वपूर्ण सरकारी कंपनियों के मामले में भी हुआ।

रक्षा एवं एयरोस्पेस उत्पादन को निजी क्षेत्र के लिए खोलने के बाद, डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) की प्रयोगशालाओं में भी इसरो जैसी ही स्थिति बनी हुई है। हमारी वैज्ञानिक एजेंसियों, चाहे वे इसरो हों या डीआरडीओ, को आज जिस स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, उसके कारणों पर गहराई से विचार करने की जरूरत है। मार्च 2026 में, अंतरिक्ष विभाग की समीक्षा करने वाली एक संसदीय समिति को बताया गया था कि इसरो की अलग-अलग इकाइयों में कुल मंजूर 18,000 पदों में लगभग 2,800 से अधिक पद खाली पड़े हैं। नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल जैसी महत्वपूर्ण परियोजना पर काम करने वाले संस्थान, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में भी लगभग 500 पद खाली हैं। एक ओर निजी कंपनियां अनुभवी वैज्ञानिकों को अपनी ओर खींच रही हैं, तो दूसरी तरफ इसरो की परियोजनाओं को सरकार से पर्याप्त फंडिंग नहीं मिल रही है। उदाहरण के लिए, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2024 में अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान (एनजीएलवी) प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी।

इसके तहत रॉकेट विकसित करने हेतु, सुविधा शुरू करने से लेकर प्रक्षेपण तक, 96 महीनों की समय-सीमा तय की गई। मंजूरी की तारीख से 84 महीनों के भीतर पहली विकासात्मक परीक्षण उड़ान का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन मंजूरी मिलने के बाद भी कई माह तक यह परियोजना कागज़ों पर ही रही, क्योंकि 2024-25 के बजट में इसके लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया था। संशोधित अनुमान के तहत 3 करोड़ रुपये का एक प्रतीकात्मक आवंटन किया गया, जिसमें से इसरो 85 लाख रुपये ही खर्च पाया। 2025-26 के बजट में शुरू में 158 करोड़ रुपये रखे गए थे, लेकिन संशोधित अनुमानों में इसे भी घटाकर 39.76 करोड़ रुपये कर दिया। इस धन में से इसरो ने 31 जनवरी, 2026 तक केवल 7.93 करोड़ रुपये इस्तेमाल किए। फंडिंग में देरी और स्टाफ की कमी ऐसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं की तय समय-सीमा पर बुरा असर डाल सकती है।

ढीले कपड़े पहनें और नींबू का करें प्रयोग

अधिकतर लोगों के अंडरआर्म्स से पसीने की बदबू आती है। इससे छुटकारा पाने के लिए नींबू को अंडरआर्म्स पर रगड़ें। फिर 5 मिनट बाद धो लें। नींबू नेचुरल डियोड्रेंट की तरह काम करता है। अगर आप चाहते हैं कि आपके शरीर से बदबू न आए तो गर्मियों में कॉटन फैब्रिक के ढीले कपड़े पहनें। ये पसीना सोखने में मदद करते हैं। जबकि टाइट कपड़े पसीना बढ़ाते हैं।

बेकिंग सोडा

अपने अंडरआर्मस में थोड़ा सा बेकिंग सोडा लगा सकते हैं। ये पसीने की नमी को सोखता है और बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया खत्म करता है। ध्यान रखें कि बेकिंग सोडा को चेहरे पर न लगाएं।

पानी पिएं और रोज नहाएं

शरीर को हाइड्रेट रखें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। इससे टॉक्सिन्स शरीर से बाहर निकलते हैं और अंदर से भी फ्रेशनेस बनी रहती है। गर्मियों में दो बार स्नान कर सकते हैं। सुबह तो स्नान करें ही, साथ ही शाम को नहाएं ताकि दिन भर का पसीना, गंदगी और बदबू दूर हो सकते। नहाने के लिए एंटी-बैक्टीरियल साबुन का इस्तेमाल करें। इससे बैक्टीरिया कम होंगे और बदबू नहीं आएगी।

पसीने की बदबू

से निजात दिलाएंगे ये जादुई घरेलू नुस्खे

तपती गर्मी और उमस भरे मौसम में पसीना आना तो आम बात है, लेकिन जब यही पसीना अंडरआर्म्स की दुर्गंध में बदल जाए, तो यह न केवल आपके आत्मविश्वास को कम करता है बल्कि सामाजिक शर्मिंदगी का कारण भी बन जाता है। क्या आपने कभी महसूस किया है कि महंगे से महंगे डियोड्रेंट और परफ्यूम भी कुछ ही घंटों में अपना असर खो देते हैं? दरअसल, पसीने की अपनी कोई गंध नहीं होती, असली वजह तो आपकी त्वचा पर मौजूद बैक्टीरिया और बंद रोमछिद्र हैं। तो अगर आप भी पसीने की बदबू से परेशान हैं तो आपको अब और केमिकल वाले प्रोडक्ट्स पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। बल्कि आपके किचन में मौजूद नींबू, बेकिंग सोडा और एप्पल साइडर विनेगर जैसे साधारण तत्व इस समस्या का जड़ से सफाया कर सकते हैं। और आपको दिनभर फ्रेश और कॉन्फिडेंट बनाए रखेंगे। इससे पसीने की बदबू को अलविदा कह सकते हैं वहीं प्राकृतिक तरीके होने की वजह से आपकी स्किन के लिए सुरक्षित भी हैं और असरदार भी।

फिटकरी का उपयोग

नहाने के बाद फिटकरी के पानी को घोलकर लगा लें। ऐसा करने से बैक्टीरिया खत्म होते है और शरीर से बदबू नहीं आती है। इसके अलावा फिटकरी के पानी से त्वचा धोने से त्वचा पर मौजूद दाग धब्बों से निजात मिलती है और त्वचा में चमक आती है। आप चाहें तो नहाने समय भी पानी में फिटकरी

डाल सकते हैं।

हंसना मना है

पति बाल कटवाकर घर आया। पति: देखो, मैं तुमसे दस साल छोटा लगता हूं कि नहीं? पत्नी: मुंडन करवा लेते तो लगता जैसे अभी पैदा हुए हो।

अगर आपका बेटा हैलो हैलो करते हुए, रूम से बाहर निकल जाए, तो समझ जाना की, आपकी होने वाली बहु का फोन है!

एलकेजी के बच्चे के पेपर में 0 आया। गुस्से से पिता: यह क्या है? बच्चा: पिताजी, शिक्षक के पास स्टार खत्म हो गए थे, इसलिये उसने मून दे दिया।

एक इंसान (दूसरे इंसान से)-आ जाओ, कुत्ते से डरो नहीं। पहला व्यक्ति-'क्यों, आपका कुत्ता काटता नहीं? दूसरा व्यक्ति- यही देखने के लिए तो आपको बुलाया है।

मोन्टू: तुम्हारी आंख क्यों सूजी हुई है? बन्टू: कल मैं अपनी पत्नी के जन्मदिन पर केक लेकर गया था, मोन्टू: लेकिन इसका आंख सूजने से क्या संबंध है? बन्टू : मेरी पत्नी का नाम तपस्या है, लेकिन बेवकूफ दुकानदार ने लिख दिया समस्या?

मोटू-तुम्हारी दादी हर समय बैठी रामायण पढ़ती रहती हैं? छोटू- हां, वह अपनी अन्तिम परीक्षा की तैयारी कर रही हैं।

कहानी | हाथी और बकरी

एक जंगल में एक हाथी और एक बकरी रहते थे। दोनों पक्के दोस्त थे। दोनों साथ में मिलकर हर दिन खाने की तलाश करते और साथ में ही खाते थे। एक दिन खाने की तलाश में जंगल से बहुत दूर निकल गए। वहां उन्हें एक तालाब दिखाई दिया। उसी तालाब के किनारे एक बेर का पेड़ था। बेर का पेड़ देखकर हाथी और बकरी बहुत खुश हुए। वह दोनों बेर के पेड़ के पास गए, फिर हाथी ने अपनी सूंड से बेर के पेड़ को जोर से हिलाया और जमीन पर पके हुए बेर गिरने लगे। बकरी जल्दी-जल्दी बेरों को इक्ट्ठा करने लगी। संयोगवश उसी बेर के पेड़ पर एक चिड़िया का घोंसला भी था, जिसमें चिड़िया का एक बच्चा सो रहा था और चिड़िया दाने की खोज में कहीं गई हुई थी। बेर का पेड़ जोर से हिलाने के कारण चिड़िया का बच्चा घोंसले से बाहर तालाब में गिर पड़ा और डूबने लगा। चिड़िया के बच्चे को डूबता देख बकरी तालाब में कूद गई, लेकिन बकरी को तैरना नहीं आता था। इस वजह से वह भी तालाब में डूबने लगी। बकरी को डूबता देख हाथी भी तालाब में कूद गया और उसने चिड़िया के बच्चे और बकरी, दोनों को डूबने से बचा लिया। इतने में चिड़िया भी वहां पर आ गई और वह अपने बच्चे को सही-सलामत देखकर बहुत खुश हुई। उसने हाथी और बकरी को इसी तालाब और बेर के पेड़ के पास रहने के लिए कहा। तब से हाथी और बकरी भी चिड़िया के साथ उस बेर के पेड़ के नीचे रहने लगे। कुछ ही दिनों में चिड़िया का बच्चा बड़ा हो गया। चिड़िया अपने बच्चे के साथ जंगल में घूम कर आती थी और हाथी और बकरी को जंगल में किस पेड़ पर फल लगे हैं, इसकी जानकारी देती थी। इस तरह हाथी, बकरी, और चिड़िया मजे में रहते और खाते-पीते थे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मिथुन

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क

कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी।

सिंह

कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या

धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें।

तुला

जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। स्त्री पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक

आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें।

धनु

भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

मकर

आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दु:खद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

कुम्भ

पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

मीन

आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

अजय देवगन की धमाल 4 ने बॉक्स ऑफिस पर किया धमाकेदार कलेक्शन

इंदर कुमार की कॉमिक फ्रेंचाइजी धमाल 4 बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म ने दुनियाभर में अपना जादू चलाया। फिल्म का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 217.22 करोड़ हो गया है। 20 दिनों में ही फिल्म ने धमाका कर दिया है।

कोईमोई के मुताबिक, फिल्म ने 20 दिनों में ओवरसीज मार्केट में 25 करोड़ की कमाई कर ली है। इसी के साथ फिल्म ने 4 बड़ी फिल्मों को पछाड़ दिया है। धमाल 4 ने अजय देवगन की शैतान, वरुण धवन की जुड़वा 2, सलमान खान की दबंग 3 और सुशांत सिंह राजपूत की एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी जैसी फिल्मों को पछाड़ दिया है। शैतान ने 216.88 करोड़, जुड़वा 2 ने 216.61 करोड़, दबंग 3 ने 217 करोड़ और एमएस धोनी: द अनटोल्ड ने 217 करोड़ कमाए थे।

अब फिल्म का अगला टारगेट राम लीला, रुस्तम, बधाई हो, माय नेम इज खान, ओएमजी 2 जैसी हैं। इन सबकी कमाई 218 से 220 करोड़ के बीच में हुई थी। सभी फिल्मों को बहुत पसंद किया गया था। इसी के साथ ये अजय

देवगन की सातवीं हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन गई है। फिल्म की नजर अब टोटल धमाल का रिकॉर्ड ब्रेक करने पर है। अजय देवगन की 10 हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्मों की बात करें तो इस लिस्ट में सिंघम अगेन (402.26 करोड़) नंबर वन पर है। दूसर नंबर पर तान्हाजी: द अनसंग वॉरियर (364.81 करोड़) है। तीसरे नबंर पर दृश्यम 2 (339.89 करोड़) है। चौथे पर गोलमाल अगेन (310.67 करोड़) और पांचवें रेड 2 (242.57 करोड़) है। छठे पर टोटल धमाल (223.36 करोड़) है। सातवें नंबर पर धमाल 4 (217.22 करोड़), आठवें पर शैतान (216.18 करोड़), नौवें नंबर पर सिंघम रिटर्नस (201 करोड़) और दसवें पर गोलमाल 3 (169.09 करोड़) है।

बता दें कि फिल्म को इंदर कुमार ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में अजय देवगन लीड रोल में हैं। वहीं फिल्म में रितेश देशमुख, जावेद जाफरी, अरशद वारसी जैसे स्टार्स नजर आए हैं। फिल्म में रवि किशन भी हैं। अंजलि आनंद और संजीदा शेख फीमेल लीड रोल में हैं।

अच्छे किरदर की वजह से मैंने टॉक्सिक को चुना : कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी यश के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म टॉक्सिक की तैयारी कर रही हैं। टॉक्सिक को कियारा की अब तक की सबसे बोल्ड फिल्म माना जा रहा है, और हाल ही में जारी किए गए फिल्म के मटीरियल ने इसके लिए लोगों की एक्साइटमेंट को और बढ़ा दी है। अब, हाल ही में हुई एक बातचीत में कियारा ने बताया कि उन्होंने टॉक्सिक का हिस्सा बनने के लिए हां क्यों कहा?

कियारा आडवाणी ने फेमिना को बताया, जब मैंने कहानी सुनी, तो मैं इस बात से बहुत प्रभावित हुई कि यह किरदार कितनी अच्छी तरह से गढ़ा गया था, इसमें वह सब कुछ था जिसकी एक एक्टर को तलाश होती है। मुझे लगा कि मैं अपने करियर में ऐसे मुकाम पर पहुंच गई हूं, जहां मुझमें ऐसे किरदार को निभाने का आत्मविश्वास है। हालांकि उनके किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन यश के साथ नादिया के तौर पर उनके बोल्ड सीन ने सबका ध्यान खींचा है। इसी बातचीत में, कियारा ने एक एक्टर के तौर पर किसी एक तरह की भूमिका में बंधे न रहने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, मुझे महिलाओं को किसी एक सांचे में ढालना या स्टीरियोटाइप करना पसंद नहीं है। हम उससे कहीं ज्यादा हैं, तो हमारे किरदार क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि महिला किरदार मजबूत, असल और जटिल होने चाहिए। हो सकता है कि यह टॉक्सिक में उनके आने वाले किरदार की ओर इशारा हो। पिछले साल, जब कियारा के किरदार का पोस्टर जारी किया गया था, तो उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा था, एक ऐसा रोल जिसने मुझसे बहुत कुछ मांगा - फिजिकल, मानसिक और भावनात्मक रूप से और जिसने मुझे पूरी तरह से बदल दिया। यह अब तक का मेरा सबसे मुश्किल रोल रहा है। महीनों की कड़ी मेहनत। एक निडर कदम। इस फर्स्ट लुक को इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती कि मैं कितनी आभारी हूं।

बॉलीवुड | मन की बात

एक वक्त ऐसा आया था कि जब मैंने एक्टिंग छोड़ने का मन बना लिया था : यामी गौतम

यामी गौतम अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपनी पहचान कदम-दर-कदम खुद बनाई है। साल 2010 में कन्नड़ फिल्म 'उल्लास उत्साह' से डेब्यू करने के बाद उन्होंने 2012 में 'विक्की डोनर' के जरिए हिंदी सिनेमा में धमाकेदार एंट्री की। हालांकि, इसके बाद उनका फिल्मी सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा। हाल ही में यामी गौतम ने चौंकाने वाला खुलासा किया कि एक वक्त ऐसा भी आया था जब वह एक्टिंग छोड़ने का मन बना चुकी थीं। फिल्मफेयर के साथ बातचीत में यामी गौतम ने बताया कि 2019 में आई फिल्में 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' और 'बाला' ने उनका करियर पूरी तरह बदल दिया। लेकिन इससे ठीक पहले, वह एक्टिंग को अलविदा कहकर हिमाचल में एक शांत और सादगी भरी जिंदगी बिताने की तैयारी कर चुकी थीं। यामी गौतम ने आगे कहा कि 'विक्की डोनर' जैसी हिट शुरुआत के बावजूद आगे का रास्ता उनके लिए आसान नहीं रहा। इंडस्ट्री में अक्सर उनसे कहा जाता था कि उनका डेब्यू किसी हीरोइन जैसा नहीं था। धीरे-धीरे काम करते रहने और बेहतर मौकों के इंतजार में, उन्हें कई ऐसे रोल्स भी स्वीकार करने पड़े जिन्हें करने का उनका मन नहीं था। यामी गौतम से पूछा गया कि क्या कभी ऐसा मोड़ आया जब वह बॉलीवुड छोड़ने के बिल्कुल करीब पहुंच गई थीं, तो उन्होंने कहा, 'हां, बिल्कुल। असल में 'उरी' और 'बाला' से ठीक पहले मैं इंडस्ट्री छोड़ने का पूरा मन बना चुकी थी। मैंने सोच लिया था कि मैं वापस हिमाचल चली जाऊंगी। वहां हमारे खेत हैं, तो मुझे लगा कि वहीं से एक बिल्कुल नई जिंदगी की शुरुआत करूंगी। मेरे माता-पिता का सपोर्ट भी कमाल का था, उन्होंने बस इतना ही कहा कि घर वापस आ जाओ।' यामी गौतम आगे कहती हैं, 'अजीब बात यह है कि जिस पल मैंने डर की वजह से इस इंडस्ट्री से चिपके रहना छोड़ा, सब कुछ बदल गया। मुझे 'उरी' मिली, फिर 'बाला' हुई और देखते ही देखते मेरी जिंदगी रातों-रात बदल गई।

यहां बकरियों को पिलाई जाती है बियर, पलभर में गटक जाती हैं बोतल, छा जाता है हल्का-हल्का सुरूर!

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसा वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने लोगों को हैरान कर दिया है। वीडियो में कुछ बकरियां बड़े चाव से बियर पीती हुई नजर आई। पहली नजर में यह नजारा अजीब लग सकता है, लेकिन वीडियो के साथ किए गए दावों के अनुसार कुछ पशुपालक विशेष परिस्थितियों में बकरियों को दवा या सपोर्टिव केयर के रूप में सीमित मात्रा में बियर देते हैं। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इसे सामान्य पशुपालन का हिस्सा नहीं माना जाना चाहिए और बिना पशु चिकित्सक की सलाह ऐसा करना उचित नहीं है। वीडियो के साथ शेयर की गई जानकारी के अनुसार, बकरियां रूमिनेंट (जुगाली करने वाले) जानवर होती हैं। उनके पेट में कई हिस्से होते हैं, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण रूमेन होता है। यह एक प्राकृतिक फर्मेंटेशन चैंबर की तरह काम करता है, जहां सूक्ष्मजीव पौधों में मौजूद रेशों (सेल्यूलोज) को तोड़कर पोषक तत्वों में बदलने में मदद करते हैं। पशुपालकों का कहना है कि यदि किसी बकरी का रूमेन सही तरह से काम नहीं कर रहा हो या वह बीमारी, तनाव या अन्य कारणों से कमजोर हो गई हो, तो उसके पाचन तंत्र को बेहतर बनाने के लिए पशु चिकित्सक की सलाह पर कुछ सपोर्टिव उपाय अपनाए जाते हैं। वायरल पोस्ट में दावा किया गया है कि फ्लैट (बिना गैस वाली) डार्क स्टाउट बियर में मौजूद यीस्ट, फर्मेंटेशन से बने कुछ तत्व, बी-विटामिन और कुछ खनिज रूमेन के लिए सहायक हो सकते हैं। वायरल पोस्ट में एक पशुपालक अपनी न्यूबियन नस्ल की बकरी 'ब्लिस' का उदाहरण भी देता है। उसके अनुसार, गर्भावस्था, तीन बच्चों को जन्म देने और लंबी यात्रा के बाद बकरी का वजन काफी कम हो गया था। अब वह सामान्य रूप से खाना तो खा रही थी, लेकिन उसका वजन उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ रहा था। ऐसे में उसके रूमेन की कार्यक्षमता और पोषण में सहायता के लिए पशु चिकित्सकीय सलाह के अनुरूप सपोर्टिव देखभाल की गई, जिसमें सीमित मात्रा में फ्लैट डार्क स्टाउट बियर भी शामिल थी। पोस्ट के अनुसार, बियर को सीधे नहीं पिलाया जाता। पहले उसका ढक्कन खोलकर उसमें मौजूद गैस निकलने दी जाती है, ताकि वह फ्लैट हो जाए। इसके बाद ही बहुत सीमित मात्रा में उसे दिया जाता है। वीडियो में बकरियां इसे खुशी-खुशी पीती हुई नजर आई जिससे लोगों की उत्सुकता और बढ़ गई।

अजब-गजब | ये है आदम और हवा का गांव

इस समुदाय के लोग पौधों पर आधारित करते हैं भोजन

दुनिया भर में अलग-अलग समुदाय अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक और पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार जीवनशैली अपनाते हैं। इन्हीं में से एक समुदाय इजराइल में भी बताया जाता है, जिसके बारे में सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि वहां के लोग अपनी जीवनशैली को आदम और हवा की कथाओं से प्रेरित मानते हैं। वायरल पोस्ट के अनुसार, इस समुदाय के लोग मुख्य रूप से पौधों पर आधारित भोजन करते हैं और मानते हैं कि शुरुआती मानव का आहार भी ऐसा ही था।

आदम और हवा का उल्लेख अब्राहमिक धर्मों की धार्मिक परंपराओं में मिलता है। इन्हें कई धार्मिक मान्यताओं में पहले मानव के रूप में वर्णित किया गया है। हालांकि यह धार्मिक आस्था का विषय है और इसे ऐतिहासिक या वैज्ञानिक रूप से स्थापित तथ्य नहीं माना जाता। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट इसी धार्मिक संदर्भ को आधार बनाकर इस समुदाय की जीवनशैली का उल्लेख करती है।

वायरल दावों के अनुसार, इस समुदाय के लोग फल, सब्जियां, अनाज, मेवे और अन्य पौधों से प्राप्त खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं। उनका मानना है कि प्रकृति के करीब रहकर और पौधों पर आधारित भोजन अपनाकर स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है। हालांकि यह उनके व्यक्तिगत या सामुदायिक विश्वास का हिस्सा है। यह स्पष्ट करना महत्वपूर्ण है कि ऐसा कोई विश्वसनीय प्रमाण उपलब्ध नहीं है कि यह समुदाय वास्तव में स्वयं को आदम और हवा का प्रत्यक्ष वंशज मानता है। सोशल मीडिया पर शेयर किए जाने वाले दावों में अक्सर धार्मिक मान्यताओं और सांस्कृतिक जीवनशैली को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया जाता है। इसलिए ऐसे दावों को तथ्य के रूप में नहीं, बल्कि संबंधित समुदाय की मान्यताओं या वायरल पोस्ट के संदर्भ में ही देखा जाना चाहिए।

आज दुनिया के कई हिस्सों में लोग शाकाहारी या पूर्णत: पौधों पर आधारित आहार अपनाते हैं। इसके पीछे स्वास्थ्य, पर्यावरण, पशु कल्याण या धार्मिक विश्वास जैसे अलग-अलग कारण हो सकते हैं। इजराइल भी उन देशों में शामिल है जहां पौधों पर आधारित भोजन को अपनाने वाले लोगों की संख्या उल्लेखनीय मानी जाती है। पौधों पर आधारित आहार में आमतौर पर ताजे फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, दालें, बीज और मेवे शामिल होते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यदि ऐसा आहार संतुलित और पोषण विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार अपनाया जाए, तो यह कई लोगों के लिए स्वस्थ विकल्प हो सकता है। हालांकि हर व्यक्ति की पोषण संबंधी आवश्यकताएं अलग होती हैं।

भाजपा मंत्री बोले-इस्लाम साहब आदाब अर्ज है, यूरिया मिली या नहीं

» कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही लखीमपुर के दौर पर थे

» सिधौली में रुके और वीडियो बनवाकर किया वायरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विपक्ष ने कहा- ईसा, अल्लाह, ईश्वर सारे मन्तर सीखे

सीतापुर। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही पड़ोसी जनपद के दौरे पर निकले। मंत्री सिधौली में मीडिया मुखातिब हुए इस दौरान उन्होंने एक किसान से फोन पर वार्ता की जिसमें किसान ने आधी हिंदी और आधी अंग्रेजी में जवाब दिया। मंत्री ने भी किसान से बात करने से पहले उर्दू में आदाब अर्ज किया। अब ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सिधौली कस्बे में पहुंचे राज्य के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही अचानक ठहर गए।

यहां रुक कर उन्होंने एक किसान इस्लाम को फोन मिलाया जिसमें उन्होंने इस्लाम से कहा इस्लाम साहब आदाब अर्ज है आपको यूरिया कितने रुपए में मिल रही है तो दूसरी तरफ से किसान का जवाब आया 266.फाइव रुपए में किसान की बात को मंत्री ने भी दोहराया और कई अन्य बातें मंत्री और किसान के बीच में हुईं।

मंत्री का उर्दू में आदाब अर्ज करना अब सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं मंत्री ने अचानक इस किसान से कैसे वार्ता की ये भी विचारणीय बिंदु है। हालांकि मंत्री लखीमपुर के दौरे पर थे और वो वार्ता करने के बाद लखीमपुर निकल गए। ऐसे में ये संकेत भी समझ से परे है कि भाजपा सरकार में मंत्री आदाब अर्ज पर आमादा हो चुके हैं जबकि मुख्यमंत्री जय श्रीराम का नारा लेकर आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि विभिन्न दलों के जिम्मेदारों इस बाबत अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दी हैं।

भाजपा वोट पाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है : सुरेंद्र

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत इस मुद्दे पर बताते हैं कि भाजपा और उसके मंत्रियों के पास इस समय वो बुद्धि है जिसे समझ कर एक शेर याद आता है जिसे मशहूर शायरा निदा फ़ाज़ली ने लिखा है ईसा, अल्लाह, ईश्वर सारे मन्तर सीख जाने किसके नाम से मिल जाएगी भीख भाजपा सरकार और उसके लोग सिर्फ वोट पाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

इनको ईसा मसीह की भी आयेगी याद : राजपाल कश्यप

सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजपाल कश्यप का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी को अब ईसा मसीह की याद आएगी क्योंकि ये नफरती लोग हैं अब चुनाव तो नफरत से नहीं जीता जा सकता ये जेन-जी के जंतर मंतर पर प्रदर्शन ने साबित कर दिया। अब ये लोग नया मंतर सीख रहे हैं।

जिन्होंने 52 सालों तक तिरंगा नहीं फहराया वो देशभक्ति का पाठ पढ़ा रहे

» संजय ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान निवारण अधिनियम 1971 में संशोधन के प्रस्ताव पर बहस में संघ को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान निवारण अधिनियम, 1971 में संशोधन के प्रस्ताव पर बहस के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस ने 52 सालों तक तिरंगा नहीं फहराया। यह बहस राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान की सुरक्षा से संबंधित मौजूदा कानून को मजबूत करने के उद्देश्य से की जा रही थी। संजय सिंह का हमला संजय सिंह ने कहा, आरएसएस ने 52 साल तक अपने मुख्यालय पर तिरंगा नहीं फहराया। वे आज हमें देशभक्ति का पाठ पढ़ा रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि जब तक देश में संविधान है, तब तक यह कानून देश का अपमान करने वालों को सजा देने के लिए काफी है। सिंह के इस बयान ने सदन में काफी हलचल मचा दी और आरएसएस के समर्थकों की ओर से इसकी कड़ी आलोचना की गई। कानूनी प्रावधान राष्ट्रीय सम्मान के अपमान निवारण अधिनियम, 1971, भारतीय दंड संहिता के तहत राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान के प्रति अनादर को रोकने के लिए बनाया गया था। इस अधिनियम के उल्लंघन पर कड़ी सजा का प्रावधान है। सरकार इस अधिनियम को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए इसमें संशोधन ला रही है, ताकि राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा सके। बिल का उद्देश्य और बहस यह संशोधन राष्ट्रीय सम्मान के अपमान निवारण अधिनियम, 1971 पर आधारित है। वर्तमान में यह अधिनियम राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान को अपमान से बचाता है। इस संशोधन का उद्देश्य इन सुरक्षा उपायों को और मजबूत करना है। बहस के दौरान, संजय सिंह ने आरएसएस की राष्ट्रभक्ति पर सवाल उठाया और उनके इतिहास का हवाला देते हुए उन पर तिरंगे का अपमान करने का आरोप लगाया।

शहजाद पूनावाला ने दिया भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा

» एक्स के अकाउंट में किया बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता रहे शहजाद पूनावाला को लेकर राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा शुरू हो गई है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर उनकी प्रोफाइल में हुए बदलाव के बाद उनके बीजेपी छोड़ने की अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि, पार्टी या खुद शहजाद पूनावाला की ओर से अब तक इस्तीफे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दिया है। शहजाद पूनावाला ने अपने एक्स अकाउंट की प्रोफाइल अपडेट की है। उनकी नई प्रोफाइल में भारतीय जनता पार्टी का कोई उल्लेख नहीं है।

हालांकि, उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइफ लांग फालोअर बताया है। बताया जा रहा है कि उन्होंने गुरुवार को अपनी प्रोफाइल अपडेट की, लेकिन इसके पीछे कोई वजह सार्वजनिक नहीं की। शहजाद पूनावाला ने वर्ष 17 में कांग्रेस छोड़ दी थी। उस समय उन्होंने कांग्रेस के संगठनात्मक चुनावों को लेकर सवाल उठाए थे। इसके बाद वह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए और बाद में उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया।

शहजाद पूनावाला ने बीजेपी नेतृत्व को अपना इस्तीफा सौंप दिया है और इसके पीछे व्यक्तिगत कारण बताए हैं। हालांकि अब तक न तो बीजेपी की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है और न ही शहजाद पूनावाला ने सार्वजनिक रूप से इस्तीफे की पुष्टि की है. ऐसे में फिलहाल इसे आधिकारिक तौर पर पुष्टि किया गया घटनाक्रम नहीं माना जा सकता।

वंचितों के आवाज थे अधिवक्ता सैयद हैदर

» वक्ताओं ने सुनाए उनके संस्मरण

» पुत्र मो. हैदर ने सभी का जताया आभार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिवंगत वकील अली के चित्र का अनावरण

लखनऊ। लखनऊ में स्वर्गीय अधिवक्ता सैयद अली हैदर रिजवी के चित्र अनावरण समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अवध बार एसोशिएसन में किया गया। इसके मुख्य अतिथि हाईकोर्ट लखनऊ बेंच के जस्टिस अब्दुल मोइन थे। इस अवसर अध्यक्ष एस चंद्रा ,सीनियर वाइस प्रेसिडेंट शैलेन्द्र शर्मा अटल व ललित किशोर तिवारी मौजूद रहे। उनके सुपुत्र एडवोकेट सैयद मोहम्मद हैदर रिजवी ने कार्यक्रम आए मुख्य लोगों का स्वागत किया।

इस अवसर पर सभी ने सैयद अली हैदर रिजवी के जीवन के हर पहलू पर चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि श्री हैदर ने अपने अच्छ व्यवहार व कार्यकु शलता से सबको प्रेरित किया। वह अपनी वकालत का प्रयोग हमेशा वंचित व गरीबों की मदद लिए करते थे। उनके पुत्र व वरिष्ठ अधिवक्ता मो हैदर ने अपने पिता के बारे में विस्तार में बताया। हैदर ने कहा कि उनकी कोशिश है कि वह अपने पिता की सामाजिक व विधिक विरासत को आगे बढ़ाते रहें। कार्यक्रम की समाप्ति पर उन्होंने सभी का आभार भी जताया।

अजिंक्य रहाणे ने सभी प्रारूपों से लिया संन्यास

» अपने भावुक संदेश में बोले- देश को हमेशा खुद से ऊपर रखा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारतीय क्रिकेट के सबसे शांत, भरोसेमंद और जुझारू खिलाड़ियों में गिने जाने वाले अजिंक्य रहाणे ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का एलान कर दिया। सोशल मीडिया पर जारी भावुक वीडियो में रहाणे ने अपने दो दशक लंबे सफर को याद करते हुए कहा कि उनके लिए हमेशा देश और टीम सबसे पहले रहे। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले इस बल्लेबाज की विदाई ने करोड़ों क्रिकेट प्रशंसकों को भावुक कर दिया।

संन्यास का एलान करते हुए रहाणे ने कहा, जिंदगी की सच्चाई यही है कि हर चीज की शुरुआत होती है और हर चीज का अंत भी होता है। जब वह समय आता है तो हमें उसका सम्मान करते हुए आगे बढ़ जाना चाहिए। बल्लेबाजी में मैंने हमेशा सही टाइमिंग पर भरोसा किया है और उसकी अहमियत को समझा है। आज मुझे लगता है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के लिए यही सही समय है। अपने शुरुआती संघर्षों को याद करते हुए रहाणे ने कहा कि डोंबिवली से शुरू हुआ उनका सफर सिर्फ एक सपना पूरा करने के लिए था। उन्होंने कहा, डोंबिवली से एक छोटे लड़के के रूप में सिर्फ अभ्यास करने के लिए सफर शुरू किया था। मैंने इस खेल को अपना सब कुछ दिया। हर दिन, हर पारी और बल्लेबाजी का हर मौका मेरे लिए भारत की कैप पहनने के सपने से जुड़ा था। रहाणे ने क्रिकेट के प्रति अपने समर्पण के बारे में बताते हुए कहा, मैंने हमेशा एक ही नियम अपनाया, अपने देश और अपनी टीम को खुद से ऊपर रखा। मैंने पूरी ईमानदारी के साथ क्रिकेट खेला और हमेशा यह माना कि अगर आपकी नीयत सही है तो खेल हमेशा आपका साथ देता है।

कोहली ने रहाणे को बताया पसंदीदा साझेदार, सचिन ने करियर को सराहा

विराट कोहली ने अजिंक्य राहणे की तारीफ करते हुए उन्हें अपना पसंदीदा टेस्ट बल्लेबाजी साझेदार बताया। कोहली ने एक्स पर लिखा, जिंक्स, शानदार करियर के लिए बधाई। आपने भारतीय क्रिकेट के लिए शानदार योगदान दिया है और अपनी यात्रा पर गर्व कर सकते हैं। स्लिप में सबसे सुरक्षित खिलाड़ियों में से एक और मेरे पसंदीदा टेस्ट बल्लेबाजी साझेदार। आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। तेंदुलकर ने उस समय को याद किया जब उन्होंने मुंबई की ओर से रणजी ट्रॉफी में पहली बार इस प्रतिभाशाली युवा बल्लेबाज के साथ बल्लेबाजी की थी। जब हमने पहली बार मुंबई के लिए साथ बल्लेबाजी की तब मैंने ऐसे खिलाड़ी को देखा जो कभी महत्वपूर्ण पलों का पीछा नहीं करता था। यही गुण ऑस्ट्रेलिया में आपकी सबसे यादगार उपलब्धि की पहचान बना। आपने दिखाया कि धैर्य आक्रामकता का विपरीत नहीं है, बल्कि अवसर वहीं किसी टीम को निडर होकर खेलने का आत्मविश्वास देता है।

भारी हंगामे की भेंट चढ़ गया संसद का सत्र

लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित, विपक्ष ने गृहमंत्री के खिलाफ की नारेबाजी, कांग्रेस ने मांगा अमित शाह का इस्तीफा

» विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में शुक्रवार को कई अहम बिल पास होने थे। पर विपक्ष ने गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग के साथ खूब हंगामा किया। जिसके कारण लोकसभा की कार्यवाही 3 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

हालांकि इससे पहले लोकसभा की कार्यवाही 11 बजे के बाद दोपहर 12 बजे फिर शुरू हुई। इसके साथ ही विपक्ष की ओर से हंगामा जारी है। वहीं राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की अगली बैठक अब 3 अगस्त 26 को सुबह 11 बजे होगी। राज्यसभा के सभापति ने सदन की कार्यवाही को अगले निर्धारित समय तक के लिए स्थगित करने की घोषणा की।

समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि अयोध्या में हुई घटनाओं को देखिए। जो श्रद्धालु चढ़ावा चढ़ाने गए, उन्हें रसीद नहीं दी गई। दान पेटी तक पहुंचने से पहले ही पैसे ले लिए गए। गिनती वाली जगह पर सीसीटीवी कैमरों में कुछ ही दिनों के अंदर गड़बड़ी के 70 वीडियो रिकॉर्ड हुए। लेकिन बाद में पुरानी सभी फुटेज हटा दी गईं। धर्मेंद्र यादव ने कहा कि हमारा प्रदर्शन केवल एक प्रतीक था। इसके जरिये हमने अयोध्या में दिनदहाड़े लूट की ओर ध्यान दिलाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह लूट साल 2020 में भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण के लिए ट्रस्ट बनने के समय से ही चल रही है। सपा सांसद ने आरोप लगाया कि यह सारा पैसा भाजपा, आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद से जुड़े लोगों की जेब और बैंक खातों तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष लगातार इस मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहा है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से भी मांग की है कि उन्हें इस मामले पर अपनी बात रखने का मौका दिया जाए।

विपक्ष का चंदा चोरी ड्रामे का मंचन, पप्पू बने पुजारी, राहुल गांधी ने ने पैसे दिए

विपक्ष ने संसद परिसर में राम मंदिर चंदा चोरी के खिलाफ एक सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पुजारी बनकर दान पेटी से पैसे अपनी जेब में डालकर कथित चोरी का नाटकीय चित्रण किया। इस अनोखे विरोध प्रदर्शन में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई विपक्षी नेता शामिल हुए, जिसका उद्देश्य अयोध्या राम मंदिर के दान में कथित अनियमितताओं पर ध्यान आकर्षित करना था। यह प्रदर्शन 'चोर-चोर' के नारों और गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ समाप्त हुआ। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय लोकसभा सदस्य राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव पुजारी का वेश धारण करके संसद भवन के 'मकर द्वार' के सामने 'दान पेटी' के साथ बैठे थे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कई नेता उस 'दान पेटी' में पैसे डालने के लिए गए तो पप्पू यादव ने पैसे अपनी जेब में डाल लिए और यह दर्शाने का प्रयास किया कि इसी तरह से राम मंदिर के चढ़ावे को चुराया गया था। इसके बाद कई विपक्षी सदस्यों ने 'चोर-चोर' और 'चढ़ावा चोर' कहते हुए पप्पू यादव को घेर लिया। फैजाबाद (अयोध्या) से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि आज यह मुद्दा पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। यह कहा जा सकता है कि इस लड़ाई की शुरुआत अखिलेश यादव ने की थी, और इसे आगे बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी है, जो हमें अयोध्या की जनता ने सौंपी है। उन्होंने कहा कि अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन भूमि है। यदि अयोध्या का अपमान हुआ है, तो हम इस मुद्दे को पूरी दृढ़ता के साथ उठाएंगे। हम इसे संसद में भी उठाएंगे और इस पर चर्चा की मांग भी करेंगे। विपक्षी सदस्यों ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ भी संसद परिसर में नारेबाजी की और गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की।

राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार नोटिस को लेकर कीर्ति आजाद ने किया पलटवार

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर की ओर से लाए गए विशेषाधिकार नोटिस पर टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कहा, वे राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लेकर आए हैं। लेकिन असल में यह प्रस्ताव केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ होना चाहिए। उन्होंने कहा, स्थिति यह है कि जिस विधेयक को प्रधानमंत्री को पेश करना चाहिए था, उसे केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने पेश किया। वहीं, जो काम अमित शाह को करना था, वह नित्यानंद राय ने किया। कीर्ति आजाद ने कहा कि मुद्दा यह है कि वे अपनी मर्जी के हिसाब से संसद चलाते हैं। वे अपनी पसंद के आधार पर ही तय करते हैं कि किस मुद्दे पर बहस होगी।

पीएम मोदी-शाह अब अतीत, जेन जेड भारत का भविष्य : राहुल गांधी

» नेता प्रतिपक्ष का केंद्र सरकार पर निशाना

» बोले कांग्रेस सांसद- जेन-जेड को डरा-धमकाकर चुप नहीं करा सकते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए धरना प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई को लेकर राहुल गांधी ने एकबार फिर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर जेनजी को डराने का आरोप लगाया है।

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, पीएम मोदी और अमित शाह, आप जेनजी को डरा-धमकाकर चुप नहीं करा सकते। पहले आपने उनकी हड्डियां तोड़ीं। अब आप एफआईआर दर्ज कर रहे हैं और उनके अकाउंट्स बंद करवा रहे हैं। आप भारत का अतीत हैं। भारत के भविष्य के साथ कैसा बर्ताव करते हैं, इसे लेकर सावधान रहें। उल्लेखनीय है कि नीट-पेपर लीक में हुई गड़बड़ियों के विरोध में हाल ही में देश भर के युवाओं (जेन जेड) ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया था।

20 जुलाई को जब जंतर-मंतर पर धरना दे रहे छात्र जब जंतर-मंतर की ओर कूच किए तो पुलिस को बल का प्रयोग करना पड़ा।राहुल गांधी छात्रों और प्रदर्शनकारियों पर हुई इसी कार्रवाई पर लगातार सरकार को घेर रहे हैं और केंद्र सरकार पर युवाओं के भविष्य और लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगा रहे हैं।

राहुल गांधी ने छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी वाली एक स्वतंत्र और उच्च-स्तरीय समिति बनाने की मांग की।

घायल पुलिस कर्मियों के सवाल पर भड़के राहुल

शुक्रवार को संसद के बाहर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पत्रकारों पर भड़क गए। पत्रकार उनसे जंतर-मंतर पर पेपर लीक के विरोध-प्रदर्शन के दौरान घायल हुए दिल्ली पुलिस के जवानों के परिवारों द्वारा की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस के बारे में सवाल पूछ रहे थे। जब पत्रकारों ने गांधी से संपर्क किया और उनसे प्रेस कॉन्फ्रेंस पर टिप्पणी करने को कहा, तो कांग्रेस नेता ने पलटकर पूछा कि क्या आप भाजपा से हैं? कांग्रेस नेता से यह सवाल तब पूछा गया जब छात्रों के विरोध-प्रदर्शन में घायल हुए दिल्ली पुलिस के जवानों के परिवारों ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस अधिकारियों को लगातार हिंसा का सामना करना पड़ा। परिवार वालों ने बताया कि विरोध-प्रदर्शन में पुलिस के कई जवान घायल हुए, लेकिन उनकी इस मुश्किल स्थिति पर लोगों का ज्यादा ध्यान नहीं गया। नई दिल्ली में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, परिवार के सदस्यों ने कुछ वीडियो दिखाए जिनमें कथित तौर पर प्रदर्शनकारियों को पुलिसकर्मियों पर हमला करते हुए देखा जा सकता था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि असामाजिक तत्वों ने प्रदर्शन में घुसपैठ की थी।

भिवंडी में चार मंजिला इमारत ढही, नौ लोगों की दर्दनाक मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के भिवंडी में एक चार मंजिला बिल्डिंग का एक हिस्सा अचानक गिर गया, जिससे हादसा हो गया। इस घटना में 9 लोगों की मौत हो गई है और मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका जताई गई है। हादसे के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।

एनडीआरएफ की टीमों ने बिल्डिंग के मलबे से एक महिला को सुरक्षित जिंदा बचाया. उसे इलाज के लिए पास के हॉस्पिटल में ले जाया गया है। मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. बिल्डिंग में रिपेयरिंग का काम चल रहा था. कम से कम तीन से चार मजदूरों के अंदर फंसे होने की आशंका है। जानकारी के मुताबिक, 30 जुलाई की देर रात बिल्डिंग थोड़ी झुक गई, जिसके बाद कई दूसरे मजदूर बिल्डिंग से बाहर भाग गए. बिल्डिंग में रिपेयरिंग का काम चल रहा था, इसलिए घटना के वक्त इमारत के अंदर कोई नहीं था।

उमर खालिद की जमानत याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में साल 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों की कथित बड़ी साजिश से जुड़े यूएपीए मामले में आरोपी उमर खालिद की नियमित और अंतरिम जमानत याचिकाओं पर दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 27 अगस्त को तय की है, जब सह-आरोपी शरजील इमाम की जमानत याचिका के साथ उमर खालिद की याचिका पर भी सुनवाई होगी।

उमर खालिद ने निचली अदालत द्वारा जमानत याचिका खारिज किए जाने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। उनकी जमानत याचिका निचली अदालत

से तीन बार खारिज हो चुकी है. इससे पहले 4 जुलाई 26 को निचली अदालत ने उमर खालिद और शरजील इमाम दोनों की जमानत याचिकाएं यह कहते हुए खारिज कर दी थीं कि क्रमामलों में लंबे समय तक मुकदमा लंबित रहने के आधार पर जमानत दिए जाने के कानूनी सवाल पर सुप्रीम कोर्ट बड़ी पीठ के समक्ष विचार कर रहा है, इसलिए अंतिम निर्णय आने तक केवल इसी आधार पर जमानत नहीं दी जा सकती।

केरल सरकार जनता को गुमराह कर रही : शिवनकुट्टी

» पीएम-श्री योजना पर वाम दलों ने कांग्रेस सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल में माकपा और भाकपा ने राज्य सरकार पर प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम-श्री) योजना के क्रियान्वयन को लेकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। वाम दलों ने केंद्र सरकार द्वारा राज्यसभा में दिए गए उत्तर का हवाला देते हुए दावा किया कि राज्य के सरकारी स्कूलों में यह योजना लागू ही नहीं हुई है।

माकपा नेता वी शिवनकुट्टी और भाकपा के बिनॉय विश्वम ने कहा कि सरकार वैधानिक फंड को योजना की सहायता बताकर भ्रम फैला रही है।केरल में विपक्षी

दल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार पर प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम-श्री) योजना के क्रियान्वयन को लेकर जनता को 'गुमराह' करने का आरोप लगाया।

दोनों दलों ने अपने आरोप के समर्थन में राज्यसभा में केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय सहायता जारी किए जाने संबंधी हालिया जवाब का हवाला दिया। माकपा के वरिष्ठ नेता और राज्य के पूर्व सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने दावा किया कि संसद में केंद्र सरकार द्वारा पेश दस्तावेजों से स्पष्ट होता है कि मुख्यमंत्री वीडी सतीशन और सामान्य शिक्षा मंत्री एन समसुद्दीन के दावों के विपरीत केरल के सरकारी स्कूलों में पीएम-श्री योजना अब तक लागू नहीं हुई है।

शिवनकुट्टी ने कांग्रेस सांसद जेबी मेथर के सवाल पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी द्वारा राज्यसभा में दिए गए उत्तर का हवाला देते हुए कहा कि अब तक केरल के किसी भी सरकारी स्कूल का चयन पीएम-श्री योजना के तहत नहीं किया गया है। शिवनकुट्टी ने एक बयान में आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने इस योजना के तहत स्कूलों के चयन की प्रक्रिया में हिस्सा ही नहीं लिया।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा